भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 195

उत्तर दिनांक 12.03.2025 को दिया गया

यूरेनियम के भंडार

*195. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) आंध्र प्रदेश में यूरेनियम की प्रचुरता वाले स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त राज्य में यूरेनियम के भंडारों की अनुमानित मात्रा का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में तुम्मलापल्ले परियोजना क्षेत्र के आसपास यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की परियोजना के आसपास भूजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (ग) सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

"यूरेनियम के भंडार" के संबंध में श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *195 के भाग (क) से (ग), जिसका उत्तर दिनांक 12.03.2025 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) से (ख)

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की संघटक इकाई, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने दो (02) यूरेनियम निक्षेप - वाईएसआर (पहले कडपा) जिले में तुम्मलापल्ली समूह के निक्षेप और आंध्र प्रदेश के पालनाडु (पहले गुंटूर) जिले में कोप्पुनुरु निक्षेप स्थापित किए हैं। इन निक्षेपों में कुल **2,54,020 टन (टी)** *स्वस्थाने* यूरेनियम ऑक्साइड का अनुमान लगाया गया है, जिसमें तुम्मलापल्ली में 2,51,259 टन *स्वस्थाने* यूरेनियम ऑक्साइड और कोप्पुनुरु में 2,761 टन *स्वस्थाने* यूरेनियम ऑक्साइड शामिल हैं।

(ग) आसपास के ग्रामीणों द्वारा लगाए गए विभिन्न आरोपों की जांच करने के मद्देनजर, विभिन्न एजेंसियों (आंध्र प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एपीपीसीबी), आईआईटी चेन्नई, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, एचपीयू और मेसर्स मेकॉन) द्वारा व्यापक गहन जल-भूगर्भीय वैज्ञानिक जांच की गई है ताकि तुम्मलापल्ली में भूजल के संदूषण के मूल कारण का पता लगाया जा सके और यह भी पता लगाया जा सके कि क्या यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (यूसीआईएल) खनन परियोजना की इस तरह के प्रदूषण में कोई भूमिका रही है।

वैज्ञानिक जांच से निष्कर्ष निकाला गया कि पुच्छन तालाब से प्रत्यक्ष विलीन यूरेनियम प्लम का कोई संकेत नहीं मिल रहा है और पुच्छन तालाब आस-पास के कुओं में भूजल संदूषण का संभावित कारण नहीं है। आगे, अपस्ट्रीम क्षेत्रों में भूजल में उच्च यूरेनियम सांद्रता की मौजूदगी यह दर्शाती हैं कि क्षेत्र विशेष में प्राकृतिक निक्षेपों के कारण यूरेनियम का पर्याप्त संदूषण है, जिसके परिणामस्वरूप पानी की गुणवत्ता खराब है। वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्थापित हो चुका है कि तुम्मलापल्ली में यूसीआईएल खनन परियोजना के कारण कोई भूजल संदूषित नहीं हो रहा है।